

अनुक्रमणिका

क्र० सं०	विषय	पृ० सं०
----------	------	---------

प्रथमोऽध्यायः
(वाक्तत्त्वपद्वारागः)

१.	कविता-स्वरूपम्	१
२.	पराम्बायाः स्वरूपभेदाः	३
३.	कविमनोवृत्तिनिरूपणम्	१२
४.	अनुभूतिभेदनिरूपणम्	१४
५.	मैत्रीमुदितोपेक्षाणां त्रिगुणात्मकता	१७
६.	आशावादनिरूपणम्	२७

७.	नैराश्यवादनिरूपणम्	२७
८.	कलार्थ कला	३४
९.	जीवनार्थ कला	३४
१०.	जीवने प्रवेशस्ततः पलायनं च	३७
११.	काव्यकारणनिरूपणम्	४०
१२.	काव्यलक्षणनिरूपणम्	४३
१३.	काव्यभेदनिरूपणम् - उत्तमकाव्यम्	४६
१४.	काव्यभेदनिरूपणम् - उत्तममध्यमकाव्यम्	५१
१५.	काव्यभेदनिरूपणम् - मध्यमकाव्यम्	५१
१६.	काव्यभेदनिरूपणम् - अधमकाव्यम्	५३
१७.	काव्यप्रयोजननिरूपणम्	५५
१८.	समीक्षकनिरूपणम्	६०
१९.	रीतिनिरूपणम्	६७
२०.	गुणनिरूपणम्	७०

द्वितीयोऽध्यायः (अर्थतत्त्वमौक्तिकम्)

१.	युगप्रभावनिरूपणम्	७२
२.	सामाजिकवास्तववादनिरूपणम्	७४
३.	अस्तित्ववादनिरूपणम्	७८

४.	प्रभाववादनिरूपणम्	८४
५.	कौतुकरागितावादनिरूपणम्	८९
६.	विदेशजवादनिरूपणम्	९५
७.	नारीवादनिरूपणम्	१०४
८.	सर्जनवादनिरूपणम्	११६
९.	नेतिवादनिरूपणम्	१२०
१०.	रहस्यवादनिरूपणम्	१२५
११.	आकारवादनिरूपणम्	१३३
१२.	अभिव्यक्तिवादनिरूपणम्	१३९
१३.	परावास्तववादनिरूपणम्	१४६
१४.	भविष्यद्भवनवादनिरूपणम्	१५६
१५.	बिम्बवादनिरूपणम्	१५९
१६.	लोकधर्मितानिरूपणम्	१६५
१७.	रूढिप्रगतिवादयोर्निरूपणम्	१७२
१८.	प्रतीकवादनिरूपणम्	१७३
१९.	दलितचेतनानिरूपणम्	१८१
२०.	सौन्दर्यवादनिरूपणम्	१८४
२१.	फ्रोइडवादनिरूपणम्	१९०

तृतीयोऽध्यायः
(बिम्बतत्त्वपुष्परामः)

१.	बिम्बपरिधाषणम्	१९८
२.	बिम्बलक्षणानां निरूपणम्	२०१
३.	बिम्बभेदनिरूपणम्	२०४
४.	बिम्बालङ्कारभेदनिरूपणम्	२०५
५.	बिम्बप्रतीकभेदनिरूपणम्	२०७
६.	बिम्बपुराबिम्बभेदनिरूपणम्	२०८
७.	दृश्यबिम्बम्	२०८
८.	चाक्षुषबिम्बम्	२०९
९.	श्राव्यबिम्बम्	२१०
१०.	घ्रेयबिम्बम्	२१२
११.	रस्यबिम्बम्	२१३
१२.	बिम्बस्य स्पर्शेन्द्रियग्राह्यत्वनिरूपणम्	२१४
१३.	बिम्बस्य मनोग्राह्यत्वनिरूपणम्	२१६
१४.	इन्द्रियव्यत्ययनिरूपणम्	२२८
१५.	बिम्बवादोपसंहतिः	२३२

चतुर्थोऽध्यायः

(नव्यपरिभाषातत्त्वेन्द्रनीलमणिः)

१.	कोष्ठकरचनानिरूपणम्	२३३
२.	पदलोपनिरूपणम्	२३६
३.	तरङ्गनिरूपणम्	२३८
४.	स्वैरकल्पनानिरूपणम्	२४१
५.	पृष्ठप्रधाननिरूपणम्	२४४
६.	सन्निधिनिरूपणम्	२४७
७.	लेख्यकरणनिरूपणम्	२५०
८.	मनः कल्पितनिरूपणम्	२५४
९.	कथाबीजननिरूपणम्	२६१
१०.	पुराबिम्बनिरूपणम्	२६४
११.	पुराकल्पनघटननिरूपणम्	२६७
१२.	पुराकल्पनपुनर्ग्रथननिरूपणम्	२७०
१३.	पुराकल्पनविघटननिरूपणम्	२७१
१४.	उदात्ततानिरूपणम्	२८७
१५.	सजीवीकरणनिरूपणम्	२८०
१६.	आत्मसम्भाषणनिरूपणम्	२८६
१७.	विरोधनिरूपणम्	२८८
१८.	निर्देशनिरूपणम्	२९०

पञ्चमोऽध्यायः
(रसतत्त्वविद्वम्)

१.	सर्वरसैर्नानन्दानुभूतिरिति निरूपणम्	३१८
२.	वासनानां मनोऽवस्थाजन्यतानिरूपणम्	३०५
३.	शृंगारादिरसेष्वपि मैत्र्यादिभावनात्वनिरूपणम्	३०७
४.	शृंगाररसनिरूपणम्	३०९
५.	हास्यरसनिरूपणम्	३११
६.	करुणरसनिरूपणम्	३१३
७.	रौद्ररसनिरूपणम्	३१६
८.	भयानकरसनिरूपणम्	३१९
९.	अद्भुतरसनिरूपणम्	३२०
१०.	वीररसनिरूपणम्	३२१
११.	वीभत्सरसनिरूपणम्	३२४
१२.	शान्तरसनिरूपणम्	३२६
१३.	सात्त्विकभावनिरूपणम्	३२७

षष्ठोऽध्यायः
(अलङ्कारतत्त्वप्रबालम्)

१. मैत्रीगुणनिरूपणम्	३३०
२. मैत्रीमूलकालङ्कारनिरूपणम्	३३०
३. मुदितामूलकालङ्कारनिरूपणम्	३३६
४. साधर्म्यमूलकालङ्काराणामुपेक्षापरकतानिरूपणम्	३३८
५. निषेधमूलकालङ्काराणामुपेक्षापरकतानिरूपणम्	३४१
६. आभ्यन्तरालङ्काराणां मैत्र्यादिमूलकतानिरूपणम्	३४८
परिशिष्टम्	३५१

